

ग्रीन पटि वाइपर

हाल ही में विश्व साँप दविस (16 जुलाई, 2022) पर ग्रीन पटि वाइपर के ज़हर को नषिकरयि करने के लयि प्रभावी एंटीवेनम वकिसति करने पर सहमतबिनी ।



ग्रीन पटि वाइपर से संबंधति चतिाएँ:

- हालाँकि ग्रीन पटि वाइपर रसेल वाइपर से अधिक घातक नहीं है, लेकिन यह काटते समय **हेमोटॉक्सिकि ज़हर को छोड़ता है**, जो शरीर में रक्त के थक्के बनने से रोकता है; परणामस्वरूप **आंतरकि रक्तस्राव** होता है ।
- इसके अलावा भारत में **उपलब्ध एंटीवेनम** से ग्रीन पटि वाइपर के ज़हर को नषिकरयि नहीं कयि जा सकता है ।
 - पूर्वोत्तर भारत में अब तक दर्ज कयि गए 64 में से 15 वषिले साँपों में मोनोकल्ड कोबरा, बैडेड करैत, काला करैत, ग्रेट ब्लैक करैत, माउंटेन पटि वाइपर और रेडनेक कीलबैक शामिल हैं ।
- इस क्षेत्र में सर्पदंश के अधिकांश मामलों में ग्रीन पटि वाइपर की वभिनिन प्रजातयिाँ शामिल हैं, जसिमें अन्य वषिले साँप भी पाए जाते हैं
- सर्पदंश की मानकीकृत रिपोर्टिगि का अभाव है ।
 - वर्तमान उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार, इसमें 1.4 मिलियन से अधिक मामले हैं जसिके परणामस्वरूप सालाना 1,25,000 मौतें होती हैं ।

पटि वाइपर:

- **पटि वाइपर**, वाइपर की कोई भी प्रजाति (सबफैमिली क्रोटालनि) जसिमें दो जंगम (नुकीले डंक) के अलावा आँख और नथुने के बीच एक गर्मी-संवेदनशील अंग होता है जो इसे शिकार करने में सहायता करता है ।
- पटि वाइपर **रेगसितान से लेकर वर्षा वनों तक में पाए जाते हैं** ।
- **ये स्थलीय, वृक्षीय या जलीय हो सकते हैं** । इनमें से कुछ प्रजातयिाँ अंडे देती हैं और अन्य प्रजातयिाँ जीवति बच्चों को जन्म देती हैं ।
- वषिले पटि वाइपर प्रजातयिाँ में हंप-नोज़्ड पटि वाइपर, मैंग्रोव पटि वाइपर और मालाबार पटि वाइपर शामिल हैं ।
- रसेल वाइपर और सॉ-स्केल्ड वाइपर भारत में पाई जाने वाली दो सबसे ज़हरीली वाइपर प्रजातयिाँ हैं जो भारत के चार सबसे ज़हरीले एवं सबसे घातक साँपों के सदस्य हैं ।
 - भारत में ज़्यादातर सर्पदंश की घटनाएँ इन्ही प्रजातयिाँ के कारण होती हैं ।

स्रोत: द हद्दू

PDF Referenece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/green-pit-vipers>

